अभ्यास पत्रक

पाठ: 3 - फूल और काँटा

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) फूल और काँटा कहाँ जन्म लेते हैं?

(क) अलग-अलग पौधों पर (ख) एक ही जगह पर (ग) अलग-अलग बागों में (घ) पानी में

(ii) रात में दोनों पर एक समान रूप से क्या चमकता है?

(क) सूरज (ख) तारे (ग) चाँद (घ) बिजली

(iii) काँटा उँगलियों का क्या करता है?

(क) उन्हें सहलाता है (ख) उनमें रंग लगाता है

(ग) उन्हें छेद देता है (घ) उन्हें सुगंध देता है

(iv) काँटा तितलियों के साथ कैसा व्यवहार करता है?

(क) उन्हें गोद में लेता है (ख) उनके पर कतर देता है

(ग) उन्हें रस पिलाता है (घ) उन्हें भगा देता है

(v) 'फूल और काँटा' कविता के रचयिता कौन हैं?

(क) मैथिलीशरण गुप्त (ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ग) सुमित्रानंदन पंत (घ) महादेवी वर्मा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) फूल और काँटे को कौन पालता है?

उत्तर- .....

(ii) कविता में 'वर वसन' का क्या अर्थ है?

उत्तर- .....

(iii) काँटा भौंरे के शरीर का क्या करता है?

उत्तर- .....

egyanarchive

(iv) फूल और काँटे पर एक समान क्या बरसता है?

उत्तर- .....

(v) सब की आँखों में कौन खटकता है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) कविता के अनुसार प्रकृति, फूल और काँटे दोनों के साथ किस प्रकार का समान व्यवहार करती है? कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) काँटे के किन्हीं तीन हानिकारक कार्यों का कविता के आधार पर उल्लेख कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(iii) "ढंग उनके एक से होते नहीं।" - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कविता के अंतिम पद "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।" का भावार्थ अपने शब्दों में समझाइए। कवि इसके माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) एक ही जगह पर

(ii) (ग) चाँद

(iii) (ग) उन्हें छेद देता है

(iv) (ख) उनके पर कतर देता है

(v) (ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) फूल और काँटे को एक ही पौधा पालता है।

(ii) कविता में 'वर वसन' का अर्थ है 'सुंदर वस्त्र'।

(iii) काँटा भौंरे के काले शरीर (श्याम तन) को बेध देता है (घायल कर देता है)।

(iv) फूल और काँटे पर मेह (बारिश) एक समान बरसता है।

(v) काँटा सब की आँखों में खटकता है।

3. संक्षिप्त उत्तर: (i) प्रकृति, फूल और काँटे दोनों के साथ समान व्यवहार करती है। कविता के अनुसार, चाँद दोनों पर एक जैसी चाँदनी डालता है और बादल (मेह) दोनों पर एक समान रूप से बरसते हैं।

(ii) कविता के अनुसार काँटे के तीन हानिकारक कार्य हैं: 1. वह किसी की उँगलियों को छेद देता है। 2. वह किसी के सुंदर वस्त्रों को फाड़ देता है। 3. वह तितलियों के पंख काट देता है और भौंरे के शरीर को घायल कर देता है।

(iii) इस पंक्ति का आशय यह है कि भले ही फूल और काँटे को एक जैसा पालन-पोषण और वातावरण मिलता है, फिर भी स्वभाव और व्यवहार में वे दोनों एक जैसे नहीं होते, बल्कि पूरी तरह से भिन्न होते हैं।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) कविता की अंतिम पंक्तियों का भावार्थ यह है कि किसी व्यक्ति का जन्म ऊँचे या प्रतिष्ठित कुल (खानदान) में होना तब तक किसी काम का नहीं है, जब तक उस व्यक्ति के स्वयं के कर्मों और स्वभाव में बड़प्पन (श्रेष्ठता) न हो। कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि व्यक्ति की पहचान उसके कुल से नहीं, बल्कि उसके अपने गुणों और कर्मों से होती है। जिस प्रकार एक ही पौधे पर जन्म लेने के बावजूद फूल अपने अच्छे कर्मों (सुगंध देना, प्रेम देना) के कारण देवताओं के शीश पर चढ़ाया जाता है, वहीं काँटा अपने बुरे कर्मों (चुभना, कष्ट देना) के कारण सबकी आँखों में खटकता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति अच्छे कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है,